जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 28 | संख्याः 339 | प्रभात | अजमेर, सोमवार 8 जुलाई, 2024 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

रशियन फेडरेशन में उत्तरी कॉकेशिया के ऊबड़-खाबड़ इलाकों में प्राचीन मीनारें अभी भी देखी जा सकती हैं, इंगश, चैचन और वाइनैख लोगों द्वारा सदियों पहले शुरु की गई वास्तुकला परम्परा के मौन पहरेदार के रुप में। चार हज़ार सालों की अवधि में बनीं ये विशाल संरचनाएं आवास और रक्षा दोनों के लिए इस्तेमाल होती थीं। इस समय जो मीनारें बची हुई हैं, वो 13 वीं शताब्दी से 17 वीं शताब्दी के बीच बनाई गई थीं। अधिकतर इंगश मीनारें 6 से 12 मीटर के चौकोर ''बेस'' पर बनी थीं जिनकी ऊँचाई 10 से 25 मीटर तक होती थी। इन मीनारों को बनाने के लिए, पत्थर के ब्लॉक्स को संभवतया चूना, चूना-मिट्टी या चूना -रेत मोर्टार से जोड़ा जाता था। मीनारों का निर्माण विस्तृत विधि -विधान के साथ सम्पन्न होता था, चाहे मीनार सुरक्षा के लिए हो या रिहाइश के लिए। जानवरों की बलि चढ़ाने के बाद, रिवाज़ के अनुसार, उनका खून नींव के पत्थर पर लगाया जाता था और ''मास्टर बिल्डर'' की भूमिका को सराहते हुए गीत व लोककथाएं रची जाती थीं। इंगश परंपरा के अनुसार, मीनारों का निर्माण एक वर्ष के अंदर पूरा हो जाना होता था, अन्यथा, न केवल परिवार को कमज़ोर बल्कि मीनार बनाने वाले कारीगर को अयोग्य समझा जाता था। मीनार ढहने के गंभीर परिणाम होते थे, मीनार के मालिकों की प्रतिष्ठा को दाग लगता था और मुख्य मिस्री को भविष्य के काम मिलना मुश्किल हो जाता था। मीनारें अक्सर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों, जैसे घाटी के प्रवेश, चौराहे या नदी के किनारों पर बनाई जाती थीं। मीनारों के लिए हिमस्खलन व भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को झेल सकने वाले स्थानों को चुना जाता था। मीनारों के नैटवर्क की सहायता से पड़ौसी गांव, एक दूसरे पर लगातार निगरानी रखते। संकट के समय, मीनारों के बीच, संकेतों के माध्यम से सूचना का त्वरित आदान-प्रदान संभव होता था। आवासीय मीनारें दो से तीन मंजिला हुआ करती थीं। आवासीय मीनारों का भूतल, पशु धन को छाया देता था, जबकि दूसरी मंजिल पर लोग रहते थे। सबसे ऊपर वाली मंजिल पर खाने का सामान, कृषि औज़ार रखे जाते थे और किसी-किसी मीनार में तीसरी मंजिल पर बालकनी भी होती थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मु.मंत्री राजे से मुलाकात की

विधानसभा की 5 सीटों पर होने वाले उप चुनाव और बजट सहित कई अन्य मुद्दों पर एक घंटे हुई चर्चा

- **माना जा रहा है कि, हाल में सम्पन्न हुये लोकसभा चुनावों में वसुंधरा राजे की नाराजगी के कारण पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।**
- **आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनज़र मु.मंत्री भजनलाल शर्मा की वसुंधरा राजे से इस मुलाकात को उनकी नाराजगी कम करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।**
- **मु.मंत्री ने लोकसभा चुनाव के पहले गत 26 जनवरी को वसुंधरा राजे से उनके घर जाकर मुलाकात की थी।**

जयपुर, 7 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री एक घंटे से ज्यादा समय तक राजे के आवास पर रुके। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच विधानसभा की 5 सीटों पर होने वाले उप चुनाव और बजट को लेकर चर्चा हुई। इसके साथ यह भी संभावना है कि डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर भी चर्चा हुई होगी।

लोकसभा चुनावों से पहले भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 26 जनवरी को राजे से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की आज की मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, जबसे भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बने हैं, तबसे वसुंधरा राजे ने सरकारी और पार्टी के कार्यक्रमों से पूरी तरह से किनारा कर लिया था। भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विधायक और पार्टी पदाधिकारियों के साथ डिनर कार्यक्रम, लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित हुई चुनिंदा नेताओं की बैठक में भी राजे शामिल नहीं हुई थीं।

वहीं, लोकसभा चुनावों में भी राजे ने खुद को झालावाड़ संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रख लिया था। राजे पूरे लोकसभा चुनावों में किसी दूसरे संसदीय क्षेत्र में प्रचार के लिए नहीं गई थीं। इसे राजे की नाराज़गी के तौर पर देखा जा रहा था। अब इस साल होने वाले विधानसभा उप चुनाव मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए असली चुनौती है। ऐसे में राजे को साधना पार्टी के लिए काफी जरूरी हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने सत्ता संभालने के साथ ही प्रदेश में पी.के.सी.-ई.आर.सी.पी. को लेकर मध्यप्रदेश के साथ एम.ओ.यू. साइन किया था। वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कई बार सार्वजनिक मंचों से यह कह चुके हैं कि ई.आर.सी.पी. का प्रोजैक्ट तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे लेकर आई थीं। इसे हमारी सरकार आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

ऐसे में आज की मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच पी.के.सी.-ई.आर.सी.पी. को लेकर भी चर्चा होना बताया जा रहा है। इसके साथ ही आने वाले बजट को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है।

माना जा रहा है कि लोकसभा चुनावों में भाजपा के आशा अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने तथा कई संसदीय क्षेत्रों में हार के पीछे भी वसुंधरा राजे की नाराज़गी अहम रही थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बहुत जल्द ही बजट पेश करने वाले हैं। इस मुलाकात को बजट से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

जैसा कि विदित है कि, पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने राजस्थान के कई बजट पेश किये हैं। मु.मंत्री भजनलाल अपने 8 सिविल लाइन्स आवास से चलकर पूर्व मु.मंत्री वसुंधरा राजे के 13 सिविल लाइन्स गये।

वसुंधरा राजे से मिलने से पहले भजनलाल ने जोगाराम से भी उनके घर जाकर मुलाकात की। इस मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है। इससे पहले वसुंधरा राजे भी भजनलाल के 8 सिविल लाइन्स आवास जाकर मुलाकात कर चुकी हैं।

गंगानगर शहर बारिश से जलमग्न, बाढ़ जैसे हालात

चौदह घंटे में तीन बार भारी बारिश आने से शहर के चारों ओर पानी ही पानी हो गया

- **गंगानगर शहर मुख्यालय पर 82 एम.एम. बारिश एवं चुनावढ़ में 54 एम.एम. बारिश दर्ज की गई।**
- **शहर में पानी की निकासी नहीं होने के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, आवाजाही के लिए घर से बाहर निकले लोग बारिश और रास्तों पर पानी जमा होने के कारण घंटों बीच रास्ते में ही फंसे रहे।**

श्रीगंगानगर, 7 जुलाई (कासं)। गंगानगर इलाके में पिछले चौदह घंटे में तीन बार तेज बारिश आने से शहर में चारों ओर पानी ही पानी हो गया। पानी निकासी नहीं होने के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। घर से बाहर निकले लोग शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक आवाजाही के लिए बारिश में फंस गए। कई वाहन बंद हो गए तो कहीं पानी निकासी आफत बनी। ई रिक्शा का संचालन काफी कम देखने को मिला। बरसाती पानी से ई रिक्शा ज्यादा खराब होते हैं, ऐसे में चालकों ने आवाजाही से दूरियां बनाये रखी। वहीं मजबूरी में निकले लोगों को जलमग्न हुई सड़कों को पार करने में अड़चन आई। पानी निकासी के इंतजाम रामभरोसे रहे। हालांकि पानी निकासी के लिए नगर परिषद की टीमों ने प्रयास किए है लेकिन धरातल पर नजर नहीं आए। इस बीच, जिला प्रशासन का दावा है कि, बारिश जिला मुख्यालय पर 82 एम.एम. बारिश, चूनावढ़ में 54 एम.एम., मिर्जेवाला में 58 एम.एम. बारिश हुई है जबकि सादुलशहर में 56 एम.एम. बारिश दर्ज की हैं। इसके अलावा सूरतगढ़ , करणपुर, राजियासर में भी बरसात के समाचार हैं।

जिला मुख्यालय पर रविवार को सुबह साढ़े छह बजे बरसात का दौर शुरू हो गया। करीब आठ बजे तक बरसी बारिश से शहर का अधिकांश एरिया जलमग्न हो गया। गौशाला मार्ग, मीरा मार्ग, सुखाडिया मार्ग, सूरतगढ़ मार्ग, पदमपुर रोड, रवीन्द्र पथ, गगन पथ, पुरानी आबादी के काफी इलाके पानी से पानी में नजर आए। इस बरसात से उमस भरी गर्मी से छुटकारा भले ही मिल गया हो लेकिन शहर के अधिकांश हिस्सों में पानी भराव हो गया है। इधर, ग्रामीण क्षेत्र में पानी के बिना मुरझाने के साथ दम तोड़ रही फसलों को नया जीवनदान मिला है।

शहर में अमृत योजना के तहत सीवरेज कार्य चल रहे हैं। सीवरेज कार्यों के तहत दर्जनों स्थानों पर सड़कों पर चैंबर्स के लिए गड्ढे खोद रखे हैं व निर्माण कार्य चल रहा है। रविवार को हुई तेज बारिश से गड्ढे पानी से भर गए। अनेक गड्ढ़ों में सड़कों से पानी पहुंचता रहा। इन गड्ढ़ों के कारण हादसे की आशंका बनी रही। वहीं गंगासिंह चौक, मल्टीपरपज स्कूल और पुरानी शुगर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रणथम्भौर में बाघ टी-58 की मौत

सवाई माधोपुर, 7 जुलाई (निस) । रणथंभौर अभयारण्य से रविवार को बाघ, टी-58 की मौत की दु:खद खबर सामने आई।

कार्यवाहक डीवीजनल फॉरैस्ट ऑफिसर मानस सिंह ने बताया की बाघ टी-58, बाघिन 26 शर्मीली का बेटा है, जिसकी उम्र 13 साल थी। टाइगर टी-58 रविवार को शाम को 6 बजे टाइगर हिंदवाड के पास फलोदी रेंज में मृत पाया गया। शव को राजबाग़ वन्य जीव मोर्चेरी में रखवाया गया। जिसकी मौत के कारणों का सोमवार पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल पाएगा। टाइगर की मौत बाघ संरक्षण एवं वन्य जीव प्रेमियों के लिए बड़ी दु:खद खबर है।

- **रविवार शाम 6 बजे टाइगर हिंदवाड के पास फलोदी रेंज में मृत पाया गया। मौत के कारणों का पता सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएगा।**

रणथम्भौर अभयारण्य में रविवार को बाघ टी-58 की मौत हो गई। रविवार शाम 6 बजे टाइगर हिंदवाड के पास फलोदी रेंज में टाइगर मृत पाया गया। बाघ टी-58, बाघिन 26 शर्मीली का बेटा है, जिसकी उम्र 13 साल थी।

राहुल आज मणिपुर व असम जाएंगे

नई दिल्ली, 7 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पूर्वोत्तर की यात्रा पर रहेंगे जहां वे असम के बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद मणिपुर के हिंसा पीड़ितों से भी मिलेंगे।

कांग्रेस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गांधी सुबह असम के बाढ़ पीड़ित कछार जिले के थलाई राहत शिविर में जाएंगे और बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करेंगे।

- **कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पूर्वोत्तर की यात्रा पर रहेंगे जहां वे असम के बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद मणिपुर के हिंसा पीड़ितों से भी मिलेंगे।**

उन्होंने बताया कि उसके बाद गांधी सीधे मणिपुर जाएंगे जहां वह जिरिबिम हायर सेकेंडरी स्कूल,मोइरंग के फुबाला हाई स्कूल के साथ ही मंडप, तूबांग चुराचांदपुर में पीड़ितों के राहत शिविरों में लोगों से मिलेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला क्रिकेटर्स के यौन उत्पीड़न केस में कोच गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 7 जुलाई। केरल में महिला क्रिकेटरों के पूर्व कोच को यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उस पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिला छात्रों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। मामले में केरल के मानवाधिकार आयोग ने खुद की संज्ञान लेकर पूर्व कोच के खिलाफ महिला खिलाड़ियों से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया है। साथ ही आयोग ने केसीए को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पूर्व कोच पर आरोप है कि ट्रेनिंग सेशन के दौरान

- **केरल के मानवाधिकार आयोग ने खुद की संज्ञान लेकर पूर्व कोच के खिलाफ महिला खिलाड़ियों से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी रेलगाड़ियों के लोको पायलट्स की ''दुर्गति'' के मुद्दे को संसद में उठायेंगे

राहुल गांधी ने दो दिन पहले लोको पायलट्स से मुलाकात की थी तब उन्होंने उन्हें अपनी दिक्कतें बताईं और कहा कि, उनका जीवन बहुत कठिन हो गया है। उनसे बहुत ज्यादा काम लिया जाता है, छुट्टी नहीं दी जाती है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिलता जो रेल दुर्घटनाओं की भी एक वजह है

- **राहुल गांधी के लोको पायलट से मुलाकात का वीडियो कांग्रेस ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर जारी किया जिसमें पायलट अपनी समस्या राहुल गांधी को बता रहे हैं। कांग्रेस नेता ने उनकी समस्याएं सुनने के बाद कहा कि मोदी सरकार में लोको पायलटों का जीवन बेहद मुश्किल हो चुका है।**
- **उन्होंने कहा, गर्मी से खौलते केबिन में बैठ कर लोको पायलट 16-16 घंटे काम करने को मजबूर हैं। लगातार और बिना छुट्टी के काम करने की वजह से लोको पायलटों शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं।**

नई दिल्ली, 7 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार ने लोको पायलटों के जीवन की रेल को पटरी से उतार दिया है और उनके जीवन को बहुत कठिन बना दिया है इसलिए वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे।

राहुल गांधी दो दिन पहले नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों से मिले थे और उन्होंने लोको पायलट की समस्याएं सुनी। इस दौरान लोको पायलट्स ने उन्हें अपनी दिक्कतें बताई और कहा कि उनका जीवन बहुत कठिन हो गया है। उनसे बहुत ज्यादा काम लिया जाता है, छुट्टी नहीं दी जाती है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिलता जो रेल दुर्घटनाओं की भी एक वजह है।

गांधी के लोको पायलट से मुलाकात का वीडियो कांग्रेस ने रविवार को अपने ट्विटर हैंडल पर जारी किया जिसमें पायलेट अपनी समस्या गांधी को बता रहे है। कांग्रेस नेता ने उनकी समस्याएं सुनने के बाद कहा कि मोदी सरकार में लोको पायलटों का जीवन बेहद मुश्किल हो चुका है।

कांग्रेस नेता ने कहा, लगातार और बिना छुट्टी के काम करने की वजह से लोको पायलटों शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं। इंडिया समूह लोको पायलटों के अधिकारों और वर्किंग कंडीशंस को बेहतर किए जाने के लिए संसद तक आवाज उठाएगा। नरेंद्र मोदी की सरकार में लोको पायलटों के जीवन की रेल पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है।

उन्होंने कहा, गर्मी से खौलते केबिन में बैठ कर लोको पायलट 16-16 घंटे काम करने को मजबूर हैं। जिनके भरोसे करोड़ों ज़िंदगियां चलती हैं उनकी अपनी ज़िन्दगी का कोई भरोसा नहीं रह गया है। यूरिनल जैसी बेसिक सुविधाओं से भी वंचित लोको पायलट्स के न काम के घंटों की कोई लिमिट है और न ही उन्हें छुट्टी मिलती है जिसके कारण वह शारीरिक और मानसिक रूप से टूट कर बीमार हो रहे हैं। ऐसे हालात में लोको पायलटों से गाड़ी चलवाना उनकी और यात्रियों की जान को जोखिम में डालना है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक कल

जयपुर, 7 जुलाई (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक दल की बैठक 9 जुलाई को आयोजित होगी। राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन तथा बाप के नवनिर्वाचित सांसदों का स्वागत समारोह राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित किया जाएगा। सभी कार्यक्रम जयपुर में जवाहर सर्किल स्थित होटल मेरियट में आयोजित होंगे।

- **होटल मेरियेट (जवाहर सर्किल, जयपुर) में आयोजित समारोह में कांग्रेस सांसदों का सम्मान भी किया जायेगा।**

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि 9 जुलाई को जयपुर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)